



SHRI CHEWANG MOTUP GOBA

Shri Chewang Motup Goba is the Founder and Owner of Rimo Expeditions- an eco adventure company that pioneered Adventure Sports in Ladakh and put them on the global map from the likes of Ladakh Marathon (the highest and among the toughest in the world), exploring the Eastern Karakorams to the Chadar Trek and Ice Hockey. As an Adventurer, Explorer, Mountaineer, Trekker and Entrepreneur he explored unknown glaciers and organised several expeditions to the unclimbed peaks in the East Karakoram. He initiated the "Leave no trace" in the outdoors practice.

2. Born on 28th December, 1965 in Kyagar village, Nubra Valley Ladakh, Shri Goba graduated in History and Political Science from the University of Jammu. He began climbing and trekking at the age of 13 in Kashmir and then all across Ladakh, East Karakoram, Nepal, Bhutan, Tibet, the North East of India, Garhwal and North America. As a 19-year-old in 1985, Shri Goba went to climb Everest Solo and joined the Indian Army Expedition crossing the Khumbu ice fall at a record 48 times while helping ferry loads.

3. Shri Goba brought in 50 sets of Ice Hockey Gear, with the help of NHLPA Canada - the first ever set to arrive in the country. This was the start of real Ice Hockey in the country. He also founded the Rimo Ice Hockey Team which won the National Championship several times. He founded Ladakh Marathon in 2012 after the devastating floods in Ladakh in 2010 to tell the world that Ladakh is up and running. The marathon became a full member of AIMS (Association of International Marathons and Distance Races) in 2015 putting Ladakh as a Global Marathon destination and extended the tourist season and boosted the local economy. Ladakh Marathon has boosted the performance of young Ladakhi runners to participate at National and International Levels. Employment opportunities to local runners have been created. Year 2019 saw Ladakh Marathon successfully initiated the ban of Single Use Plastic to make it an environment friendly sustainable and organic Marathon.

4. Shri Goba has been crucial in initiating and conducting search and rescue operations and rehabilitation in the 2010 floods in Ladakh and floods in Kashmir. He is also consulted and has been involved in rescue missions for other nationalities. He has initiated the training and standardisation of mountain guides in Ladakh to meet International standards and bring awareness of rescue and safety practices.

5. Shri Goba is the recipient of several awards and honours including the National Tourism Award for Best Adventure Tour Operator consecutively for 2 years; Wildlife Service Award 2014 etc. He is an honorary member of Yorkshire Ramblers Club and a member of the American Alpine Club, Alpine Club UK. He is the President of the Himalayan Club, the oldest mountaineering Club in India founded in 1928.





श्री चेवांग मोटुप गोबा

श्री चेवांग मोटुप गोबा रिमो एक्सपेडिशंस के संस्थापक और मालिक हैं। यह एक इको एडवेंचर कंपनी है, जिसने लद्दाख में एडवेंचर स्पोर्ट्स की शुरुआत की और लद्दाख मैराथन (दुनिया की सर्वोच्च और सबसे दुर्गम), चादर ट्रेक तक पूर्वी कारकोरम की यात्रा और आइस हॉकी जैसी चीज़ों से उसे दुनिया के नक्शे पर ला दिया। एक एडवेंचरर, खोजी, पर्वतारोही, ट्रेकर और उद्यमी के रूप में उन्होंने अनजान ग्लेशियरों की खोज की और पूर्वी काराकोरम में अछूते शिखरों के कई पर्वतारोहण अभियान आयोजित किए। उन्होंने आउटडोर्स प्रैक्टिस में "लीव नो ट्रेस" की शुरुआत की।

2. 28 दिसंबर, 1965 को नुब्रा घाटी, लद्दाख के क्यागर गांव में जन्मे श्री गोबा ने जम्मू विश्वविद्यालय से इतिहास और राजनीतिक विज्ञान में स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने 13 की उम्र से कश्मीर और उसके बाद पूरे लद्दाख, पूर्वी काराकोरम, नेपाल, भूटान, तिब्बत, पूर्वोत्तर भारत, गढवाल और उत्तरी अमेरिका में पर्वतारोहण और ट्रेकिंग शुरू की। 1985 में 19 वर्ष की उम्र में उन्होंने अकेले एवरेस्ट की चढाई की और भारतीय सैन्य अभियानों में शामिल होकर सामान ढोने में मदद करते हुए रिकार्ड 48 बार खुंबु आइस फाल को पार किया।

3. श्री गोबा एनएचएलपीए, कनाडा की मदद से 50 सेट आइस हॉकी गियर लाए जो देश में आने वाला पहला सेट था। यह देश में असली आइस हॉकी की शुरुआत थी। उन्होंने रिमो आइस हॉकी टीम की भी स्थापना की, जिसने कई बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती। उन्होंने 2010 में लद्दाख में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद 2012 में लद्दाख मैराथन की स्थापना की और दुनिया को बताया कि लद्दाख फिर उठ कर दौड़ने लगा है। यह मैराथन 2015 में एआईएमएस (एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन्स एंड डिस्टेंस रेसिज) का पूर्ण सदस्य बन गई और इसके कारण लद्दाख विश्व मैराथन स्थल बन गया, पर्यटकों की संख्या बढ़ी और स्थानीय अर्थव्यावस्था बेहतर हुई। लद्दाख मैराथन ने लद्दाख के युवा धावकों का प्रदर्शन निखारते हुए उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी के लायक बनाया। स्थानीय धावकों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। 2019 में लद्दाख मैराथन ने उसे एक पर्यावरण अनुकूल, सतत् और आर्गेनिक मैराथन बनाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की सफल शुरुआत की।

4. श्री गोबा ने लद्दाख में 2010 में आई बाढ़ और कश्मीर में आई बाढ़ में खोज तथा बचाव अभियान चलाने और पुनर्वास में भी अहम भूमिका निभाई। दूसरे देशों में बचाव अभियानों में भी उनसे सलाह ली जाती है और उन्हें इनमें शामिल किया जाता है। उन्होंने लद्दाख में पहाड़ी गाइडों की ट्रेनिंग और मानकीकरण की शुरुआत की ताकि उन्हें। अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जा सके और बचाव तथा सुरक्षा उपायों के बारे में उनमें जागरूकता पैदा की जा सके।

5. श्री गोबा को कई पुरस्कार और सम्मान मिल चुके हैं, जिनमें लगातार 2 वर्षों तक बेस्ट एडवेंचर टूर ऑपरेटर के लिए राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार; वन्यजीवन सेवा पुरस्कार 2014 आदि शामिल हैं। वह यॉर्कशायर रैंबलर्स क्लब के मानद सदस्य हैं और अमेरिकन अल्पाइन क्लब, अल्पाइन क्लब यूके के सदस्य हैं। वह 1928 में स्थापित भारत के सबसे पुराने पर्वतारोहण क्लब, हिमालयन क्लब के अध्यक्ष हैं।